...ा गया (4)

...ा रहना ल

निर्देश

बाएँ से दाएँ

1. श्वसन के लिए उपयोगी, प्राण वायु (4)
4. धुआँ रहित दुपहिया वाहन (4)
9. 180° के कोण का नाम (3, 2)
12. हवा से प्राप्त ऊर्जा (3,2)
15. आकार, भीतर का कुल स्थान, परिधि, फैलाव, परिमाण (4)
17. आवागमन, यातायात, ट्रांसपोर्ट, एक जगह से दूसरे जगह ले जाना (5)
22. पर्व–त्योहार एवं अन्य अवसरों पर तलकर बनाए जानेवाला मीठा खाद्य–पदार्थ (4)
23. नाती, पुत्री का पुत्र (उर्दू का शब्द) (3)
24. बन्दना, झील का पानी, एक लंबी टांगोंवाली जलीय पक्षी (3)
25. बहुत ऊँचा जगह, शैल, पहाड़ (3)
27. एक महान् स्वतंत्रता सेनानी, जिन्हें झारखंड में भगवान कहा जाता है (3, 2)
28. देखभाल, रखवाली, परिरक्षण, विशेष रूप से सुरक्षा, जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधों आदि का बचाव के लिए किया जानेवाला उपाय (4)
29. नस, रग, नाड़ी, अशुद्ध रक्त की वाहक नली (2)
30. प्रतिवादी, विरोधी पक्ष, प्रतिपक्ष (3)
31. स्थान, ग्रह दशा, सूर्य स्थान, वस्तु समूह (2)
32. शंकर, महादेव (2)
34. मच्छर के काटने से होनेवाला एक प्रकार का बुखार (4)
35. पत्थर पर लिखे आलेख, शिलालिपि (4)
36. भारत के प्रधानमंत्री प्रतिवर्ष 15 अगस्त को इस स्थान पर झण्डा फहराते है। (4)

ऊपर से नीचे

1. आकाश, नभ, गगन (4)

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

अध्याय–17

रामू काका की दुकान

मैं रामू काका की दुकान के बगल से रोज स्कूल जाती हूँ। उनकी दुकान में कई लोग सुबह से काम करते नज़र आते हैं– अकरम भाई, नवीन भाई, आलम और अली चाचा। एक दिन स्कूल से लौटते समय सुखदा रामू काका से बिना पूछे ही दौड़कर दुकान में घुस गई। कितना कुछ हो रहा था दुकान में!

दादा लगन एक औजार को पकड़कर लकड़ी का पटिया छील रहे थे। अकरम भाई लकड़ी के पटिए काटकर और उन्हें जोड़कर कुर्सी बनाने में लगे थे।

बताइए–

रामू काका की दुकान में क्या काम हो रहा था?

आपके गाँव या शहर में भी कई प्रकार की दुकानें होंगी। आपने कौन–कौन सी चीजों की दुकानें देखी हैं? उनके नाम लिखिए।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

आलम और अली चाँद पटियों में सुन्दर नक्काशी कर रहे थे। नवीन भाई पानी जैसी कोई चीज़ ब्रश से लगाकर लकड़ियों को चिकना बना रहे थे। दुकान के पीछे बहुत सारी लकड़ियाँ पड़ी हुई थीं।

सुखदा– पानी जैसी यह क्या चीज है, नवीन भाई?

नवीन– यह वॉर्निश है। इससे लकड़ी चिकनी और सुंदर हो जाती है। लकड़ी में लम्बे समय तक कीड़ा भी नहीं लगता है।

सुखदा– अरे! दुकान में कितने सारे लोहे के औजार हैं? यहाँ काँच के चौकोर टुकड़े क्यों पड़े हैं?

नवीन– कई बार लोग तस्वीर लेकर आते हैं। उनको हम फ्रेम में डाल देते हैं। जिसमें काँच की भी जरूरत होती है। इस तरह उनके पास वह तस्वीर काफी दिन तक सुरक्षित रह जाती है।

सुखदा– ओह, आज तो काफी देर हो चुकी है। कल फिर आऊँगी। सबको धन्यवाद।

क्या आपने कभी लकड़ी के दरवाज़े, टेबल, चौकी बनाते हुए देखा है? उनको बनाने के लिए लकड़ी कैसे तैयार की जाती है?

____

____

____

रामू काका की दुकान से लौटने के बाद सुखदा ने राजू भैया को दुकान के बारे में बताया। राजू भैया ने तब अपनी एक किताब निकालकर सुखदा को नीचे बने चित्र दिखाए।

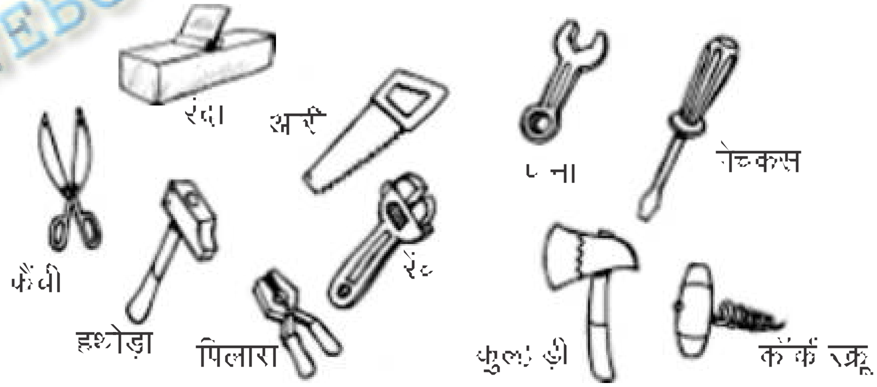

© BSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

क्या आप इन चित्रों को देखकर बता सकते हैं कि कौन-सा औज़ार किस काम आता है?

____

____

____

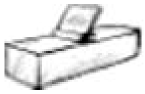

____

अगले दिन सुखदा फिर रामू काका की दुकान पर थी।

सुखदा– रामू काका, आप अपनी दुकान के लिए औज़ार, ब्रुश, वार्निश और दूसरी चीज़ें कहाँ से लाते हैं?

रामू काका– बेटा, कई बार तो इसके लिए मैं खुद शहर जाता हूँ और वहीं से खरीद लाता हूँ। कई बार शहर से कोई आए तो अपने साथ ले आता है। कभी शहर के दुकान वाले खुद भी भेज देते हैं। गाँव के लुहार के पास भी कई औज़ार बन जाते हैं। रंग और वार्निश कभी हमारे गाँव के 'जोसेफ' की दुकान पर भी मिल जाता है।

सुखदा– लकड़ी कहाँ से मिलती है? क्या आप इतने पेड़ काट देते हैं?

रामू काका– मैं तो नहीं काटता पर लकड़ी बेचने वाले व्यापारी अपने कामगारों से पेड़ कटवाते हैं। हम उनसे लकड़ी खरीदते हैं।

अपने दोस्तों के साथ चर्चा करके लिखिए–

क्या पेड़ काटना ठीक है?

____

____

लकड़ी नहीं हो तो रामू काका और उनकी दुकान के लोग क्या करेंगे?

____

____

BCIRPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

सुखदा– "रामू काका, क्या आप कोई दूसरा काम नहीं कर सकते?"

रामू काका– "नहीं बेटा, इसी काम को मैंने बचपन से अपने बाप, दादा, परदादा को करते देखा और उनसे सीखा है। हाँ, मेरा बेटा राकेश पढ़ने के लिए शहर गया हुआ है। शायद वह यह काम न करे। कल मुझे भी शहर जाना है वहाँ के एक बड़े दुकान में मेरी दुकान के कई सामान बिकने वाले हैं। यह काम नहीं करूँगा तो कमाई कैसे होगी? यही तो मेरा व्यवसाय है। अपना घर मैं इसी से चलाता हूँ।"

रामू काका के बाद दुकान का काम कैसे चलेगा? सोचकर लिखिए।

____

रामू काका शहर क्यों जाते हैं?

____

क्या रामू काका को कोई दूसरा काम करना चाहिये?

____

सुखदा– "रामू काका हमारे गाँव में लोग भी तो आपकी दुकान का सामान खरीदते हैं तो शहर क्यों जाते हैं?"

रामू काका– "शहर में अच्छे दाम मिलते हैं और सामान भी ज्यादा बिकता है इसलिए जाना पड़ता है।"

परियोजना कार्य–

अपने गाँव में बढ़ई, मोची, बुनकर, किसान किसी न किसी को तो देखा ही होगा। सुखदा ने जिस तरह से रामू काका से जानकारी ली उसी प्रकार से आप भी गाँव के किसी एक व्यवसाय के बारे में जानकारी लीजिए और लिखिए। उनके औज़ार व दुकान का चित्र बना सकते हों तो ज़रूर बनाएँ। हाँ, अपने घर के व्यवसाय के बारे में भी लिख सकते हैं।

BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

के आस-पास ज़मीन खरीद कर घर बना लेते हैं। कभी-कभी सरकार भी इन क्षेत्रों में घर बना कर लोगों को देती है।

घर बनने के बारे में सुखदा और इकबाल काका की बातों से आपको क्या-क्या जानने को मिला? कोई पाँच बातें लिखिए।

____

कॉलोनी क्या होती है?

____

सुखदा ने कॉलोनी की बात जब कक्षा में अपने दोस्तों से की तो अली हसन ने बताया कि उसने भी गाँव के एक छोर पर कॉलोनियाँ बनने की बातें अखबारों में पढ़ी हैं। उसने यह भी बताया कि सरकार वहाँ पर एक कृषि विश्वविद्यालय खोल रही है। इसी कारण वहाँ यह कॉलोनी बनायी जा रही है। उसमें वहाँ काम करने वाले लोगों के परिवार रहेंगे।

गीता ने कहा– ठीक ही तो है। हमें खेलने-कूदने के लिए नए दोस्त भी मिल जाएँगे, लेकिन इन्होंने अपने गाँव को ही क्यों चुना?

यह सब सुनकर शिक्षक बोले– हमारे गाँव की जमीन बहुत उपजाऊ है। जिस जगह कृषि विश्वविद्यालय खोला जा रहा है वह सरकारी ज़मीन बहुत समय से खाली पड़ी है। अतः उसका उपयोग भी हो जाएगा और वे लोग वहाँ कृषि संबंधित कई सारे प्रयोग भी कर पाएँगे। शायद यही कारण रहा होगा हमारे गाँव को चुनने का।

तब गीता ने पूछा– क्या शहर में उपजाऊ ज़मीन नहीं है?

शिक्षक– नहीं ऐसी बात नहीं है। आजकल बहुत सारे लोग रोजी रोज़गार की तलाश में अपने गाँव, कस्बों, मुहल्लों से बड़े शहरों की ओर जाने लगे हैं। शहरों में आवास की आवश्यकताएँ बढ़ने लगी हैं। शहरों में ज़मीन महँगी हो गई है।

BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

अध्याय–18

आवास

सुखदा का गाँव शहर के नज़दीक है। गाँव से सैकड़ों लोग काम काज के लिए शहर जाते हैं और शाम तक वापस आ जाते हैं। शहर से लौट कर इकबाल काका ने सुखदा के दादाजी को बताया कि गाँव के पूरब की तरफ की ज़मीनों पर कॉलोनियाँ बनने वाली हैं। बहुत से घर बनाए जाएँगे। कुछ इमारतें एकमंजिला होंगी, कुछ बहुमंजिला। वहाँ बाजार, बच्चों के लिए पार्क आदि की सुविधाएँ होंगी। इनके अलावा कॉलोनियों के लिए सड़कों के साथ बिजली पानी का इंतजाम भी किया जाएगा। सुखदा और संजय भी इकबाल काका और दादाजी की बातें सुन उनके पास आए। संजय ने पूछा–दादाजी आखिर हम घर क्यों बनाते हैं?

आप भी सोचकर बताइए कि घर क्यों बनाए जाते हैं?

____

____

____

सुखदा ने बताया कि घर हमें तेज धूप, बरसात और ठंड से बचाते हैं। जंगली जानवर और चोर बदमाश से भी हम सुरक्षित रहते हैं। आवास में हमें निजता का अनुभव होता है और हम पढ़ना–लिखना, खाना–सोना आदि कार्य आराम से कर पाते हैं।

इकबाल काका बोले – बिल्कुल ठीक बताया, पर्यावरण की अलग अलग परिस्थितियों से निपटने के लिए हम घर बनाते हैं। बच्चों तुम्हें पता है कि पहले तो चार–पाँच परिवार के लोग अपने खेतों के आस पास घर बना लेते थे और धीरे धीरे वहाँ गाँव बस जाता था। लेकिन आजकल तो जहाँ कल कारखाने, बड़े बड़े व्यवसाय, कॉलेज खुलते हैं लोग वहीं

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

कॉलोनी में सीमित क्षेत्र में कई परिवार रहते हैं। पड़ोसी अक्सर अन्य जिले या राज्य के होते हैं। सब की जाति–धर्म अलग होते हैं, पर सामूहिक जीवन एक समान होता है। सब मिलकर होली, दिवाली, ईद आदि त्योहार मनाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र एवं शहर के आवास में क्या भिन्नताएँ हैं?

पाठ को पढ़कर आपको कॉलोनियों के बारे में क्या–क्या जानने को मिला? कोई पाँच बातें लिखिए।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

कॉलोनियाँ बनने से गाँव वालों के जन–जीवन पर क्या असर पड़ा? सोचकर लिखिए।

कृषि विश्वविद्यालय के लिए गाँव को चुनने का कोई और कारण अपने दोस्तों से चर्चा कर लिखिए।

गाँव से लोग बड़े शहरों की ओर क्यों जाते हैं?

शहरों में जमीन महँगी क्यों हो गई है?

अली हसन ने पूछा– क्या कॉलोनियों में भी कच्चे, फूस व मिट्टी के घर बनेंगे?

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED
WEBCOPY

शिक्षक ने बताया - कॉलोनियों में गाँव की हवेलियों की तरह सीमेंट, कंक्रीट, ईंट, पत्थर आदि से बनी इमारतें होती हैं। सभी आवासों के लिए पानी, नाली, साफ सफाई की व्यवस्था अलग से होती है। कई कॉलोनियों में "कम्यूनिटी हॉल" या सामुदायिक भवन होते हैं। इस हॉल में शादी, जन्मदिन व पार्टियाँ आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

परियोजना कार्य

आप शहर के किसी कॉलोनी में जाकर उसे देखिए। गाँव के घरों से तुलना कर एक चार्ट बनाइए। कॉलोनी के एक घर का चित्र बनाइए।

इस चित्र में क्या दिखाया गया है? अपनी कॉपी में लिखिए। इस तरह के चित्रों के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED WEBCOPY

अध्याय–19

तरह–तरह के व्यवसाय

किसान

हमारे आसपास रहने वाले लोग अलग अलग तरह के काम करते हैं। किसान अनाज उगाता है। राजमिस्त्री मकान बनाते हैं, बुनकर कपड़ा बुनने का काम करते हैं। ये सब अलग–अलग व्यवसाय हैं।

बुनकर

किसान

लुहार

मोची

राजमिस्त्री

© PSTBPC NOT TO BE REPUBLISHED

आप भी ऐसे पाँच और व्यवसायों के नाम लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

चित्र को देखकर बताइए कि व्यक्ति चित्र में कौनसा कार्य कर रहा है।

____

____

इस कार्य को करने वाले को क्या कहते हैं।

____

कुम्हार मिट्टी से अलग–अलग तरह की वस्तुएँ बनाता है। मिट्टी की वस्तुएँ बनाने के लिए उसे बहुत सी तैयारी करनी पड़ती है। जैसे उपयुक्त मिट्टी का चुनाव, मिट्टी खोदकर लाना, उसको साफ करना इत्यादि।

पता कीजिए और बताइए कि कुम्हार को और क्या क्या तैयारी करनी पड़ती है?

____

____

इन वस्तुओं को तैयार करने से पूर्व कौन–कौन सी तैयारी करना होता है। उसे 1, 2, 3 नम्बर देकर सही क्रम लिखिए।

☐	गढ़े बर्तन को सुखाना।	☐	मिट्टी खोद कर लाना।
☐	पके बर्तनों को रंग लगाना	☐	सूखे बर्तन को आग में पकाना
☐	मिट्टी को तैयार करना	☐	पके बर्तनों को बाजार में ले जाना।

WEBCOPY : NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

डाकिया

चित्र में जो व्यक्ति दिखाई दे रहा है उसे क्या कहते हैं?

यह व्यक्ति कौनसा कार्य करता है?

____

यह व्यक्ति हमें कैसे सहायता पहुँचाता है?

____

____

डाकिया नहीं होते तो क्या होता?

____

शिक्षक

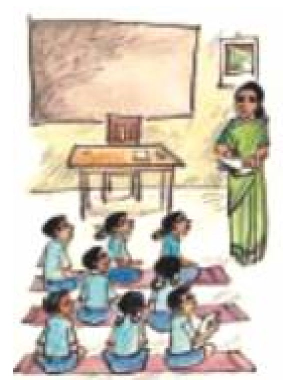

चित्र को देखकर बताएँ कि चित्र में क्या हो रहा है?

चित्र में जो व्यक्ति पढ़ा रहा है उन्हें क्या कहते हैं?

____

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

बच्चे को पढ़ाने के लिए किन किन चीजों की आवश्यकता पड़ती है?

____

शिक्षक नहीं होता तो क्या होता? लिखिए

____

क्या शिक्षक, बढ़ई, लुहार आदि को डॉक्टर की जरूरत पड़ती है कैसे? सोच कर बताइये।

____

क्या किसान को डॉक्टर की जरूरत पड़ती है? बताइये।

____

____

क्या डॉक्टर को किसान व बढ़ई की जरूरत पड़ती है? कैसे?

____

____

यदि लोग एक–दूसरे की मदद न करें तो क्या होगा? सोचिए और लिखिए

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

?

? सोच कर

फोटो [illegible] में नहीं है

खिए

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

> क्या आप विद्यालय द्वारा/या अपने परिवार के साथ अन्य शहर गए हैं? अपने अनुभवों को लिखिए।
>
> – भ्रमण किए गए स्थान का नाम : ____________________
>
> – साथ गए परिवार के सदस्य/सदस्यों का नाम : ____________________
>
> – यात्रा का साधन (बस/ट्रेन) : ____________________
>
> – तुमने क्या–क्या देखा : ____________________
>
> – तुम्हें सबसे अच्छा क्या लगा : ____________________

सुखदा के पिताजी – "मैं कल कार्यालय से लौटते हुआ पटना से रायपुर की आरक्षित टिकटें लेता आऊँगा। गाँव से पटना तक हम बस से जाएँगे।" दादाजी ने आगे बताया – "दोनों बहुएँ शादी में दिए जाने वाले कपड़े और उपहारों की तैयारी कर लेंगी। सर्वजीत तुम गाय, बछड़ों के चारे और घर के अन्य कार्यों की तैयारी के बारे में रामदीन को समझा देना। सुखदा और अमन, तुम दोनों दादी और माँ को सामान रखने – सहेजने में मदद करना।" इस प्रकार दादाजी ने सबके काम बाँट दिए।

> रायपुर जाने की तैयारी में परिवार के सदस्यों की कौन–कौन सी ज़िम्मेदारियाँ हैं –
>
> | | | | |
> |---|---|---|---|
> | दादाजी | ________ | दादीजी | |
> | सुखदा के पिताजी | ________ | माँ | ________ |
> | सुखदा के काकाजी | ________ | चाची | ________ |
> | रामदीन चाचा | | अमन, सुखदा | |

अमन ने दादाजी से पूछा – "बड़े दादाजी इतनी दूर रायपुर में क्यों रहते हैं?"

दादाजी – "हाँ बेटे, तुमने सही सवाल पूछा है।" दादाजी ने अमन और सुखदा को अपने पास बैठाया, और उन्हें अपने बचपन की बातें बताने लगे।

सुखदा और अमन दादाजी के बिस्तर पर बैठकर परिवार की कहानी बड़े चाव से सुनने लगे।

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अध्याय–20

रायपुरवाले चाचा की शादी

कल की कक्षा के लिए सुखदा अपनी किताब–कॉपियाँ सहेज रही थी।

अमन दौड़ता हुआ कमरे में आया और बोला, "दीदी–दीदी! जल्दी चलो। आँगन में दादाजी शादी में जाने की बातें कर रहे हैं।"

सुखदा के परिवार के सदस्य आँगन में बैठकर बातें कर रहे थे। अमन और सुखदा भी ध्यान से उनकी बातें सुनने लगे।

दादाजी – "बड़े भैया का पत्र आया है। हम सभी को इसी महीने रवि की शादी में रायपुर जाना है। बच्चों के स्कूल में भी गर्मी की छुट्टियाँ होनेवाली हैं। लौटने में करीब दस दिन लग जाएँगे। हम सभी को जाने की तैयारी में जुट जाना चाहिए।"

दादाजी ने बताया– "जब मैं छोटा था तब यहीं गाँव में बड़े भैया, दीदी और माँ–पिताजी हम सब साथ–साथ रहते थे। हम भाई–बहन साथ खेलते और पढ़ते थे।"

> पिताजी या दादाजी पटना जाते हैं तो उनके थैले में कौन–कौनसी सामग्रियाँ रहती हैं की सूची बनाइए...
>
> (1)
>
> (2)
>
> (3)
>
> (4)
>
> (5)
>
> (6)

दादाजी– "मैं और भैया, यानी तुम्हारे रायपुरवाले बड़े दादाजी, खेती–बाड़ी के कार्यों में भी अपने पिताजी का हाथ बँटाते थे। कुछ दिनों बाद बड़े भैया को रायपुर में नौकरी करने की चिट्ठी आई। जानती हो सुरभि! तुम्हारे परदादाजी चाहते थे कि हम दोनों भाई गाँव में ही रहकर खेती–बाड़ी में उनकी मदद करें, परन्तु उन्होंने बहुत सोच–विचारकर बड़े भैया को नौकरी के लिए रायपुर जाने की अनुमति दे दी।"

"और आप दादाजी?" अमन ने पूछा। दादाजी ने हँसते हुए कहा– "मैं तो तुम्हारे जैसा छोटा था और पढ़ाई कर रहा था। भैया रायपुर नौकरी करने चले गए। मैं यहीं पढ़ाई–लिखाई कर खेती–बाड़ी में पिताजी का हाथ बँटाने लगा।"

कुछ दिनों बाद भैया और दीदी की शादी इसी गाँव में हुई। शादी के बाद भैया भाभी के साथ रायपुर चले गए और मेरी दीदी अपने ससुराल। बरौनीवाली बुआ को तुम जानती ही हो।

सोचकर लिखिए–

दादाजी गाँव में ही क्यों रह गए?

दादाजी के भैया को गाँव क्यों छोड़ना पड़ा?

© BSTBPC
WEBCOPY: NOT TO BE PUBLISHED

परदादाजी क्या चाहते थे?

तबसे सभी लोग रामपुर के लिए रवाना हुए। अमन और सुखदा, दादाजी के साथ सामानों की गिनती कर ध्यान से रख रहे थे। सबसे पहले बस से वे लोग पटना रेलवे–स्टेशन पहुँचे। समय पर गाड़ी आई। सभी अपनी गाड़ी के डिब्बे में अपनी–अपनी आरक्षित सीटों पर बैठ गए। सुखदा की माँ और चाची ने रात का खाना निकाला और सभी खाना खाकर सो गए।

सुबह रामपुर स्टेशन पर रवि चाचा लेने आए। उन्होंने सुखदा के दादा- दादी और सभी बड़ों को पाँव छूकर प्रणाम किया।

रवि चाचा - "अरे, सुखदा और अमन, आओ मेरे पास!"

सब जीप से बड़े दादाजी के घर की ओर चल दिए।

रवि चाचा– देखो अमन, बड़े दादाजी का घर आ गया। तभी गाड़ी एक सुंदर से घर के सामने रुक गई।

©BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

आएगा। अनन्या हाथ पकड़ के दोनों तेज़ी से बाहर दौड़ गई।

"चलो हम लोग रवि चाचा से बातें करें" सुखदा ने कहा।

तीनों बच्चे रवि चाचा के पास आए। सुखदा ने कहा– "रवि चाचा, आप हमें होनेवाली चाची की तस्वीर दिखाइए न।" गुड़िया ने पूछा "आपने चाची को देखा है? कैसी हैं वो।"

रवि चाचा "अरे अरे एक बार में इतने सवाल। बच्चो, तुम जानते हो, मैं और तुम्हारी होनेवाली चाची एक साथ ही काम करते हैं। भोपाल में हमने साथ साथ पढ़ाई भी की है। दीदी के पास उनकी तस्वीर भी है। तुम उनसे लेकर देख सकते हो।"

बच्चे बुआजी के पास दौड़कर पहुँच गए। बुआजी, माँ और चाची को तस्वीर दिखा रही थीं। बच्चे ने भी चाची का फोटो देखा

अरे कितनी सुंदर हैं हमारी होनेवाली चाची! सुखदा ने कहा।

बड़ी दादी बता रही थीं कि चाची का नाम सुरोचि है। वे बंगाली परिवार की हैं। बड़े दादाजी ने बताया कि इनका परिवार वर्षों पूर्व पश्चिम बंगाल से आकर रायपुर में बस गया था।

"तब तो अच्छा है, चाची से हम बंगला भी सीख लेंगे" सुखदा ने कहा।

सुबह–सुबह आँगन में रवि चाचा को उबटन लगाया जा रहा था। घर की औरतें मंगल गीत गा रही थीं।

शाम को बारात जाने की तैयारियाँ हो रही थीं। बड़े दादाजी आँगन में आकर बोले "शाम छह बजे बारात निकलेगी। घर की औरतें भी बारात में जाएँगी। सभी लोग समय पर तैयार हो जाएँ।"

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED
BSTBPC

बड़े दादाजी, दादीजी, उनकी बहू हमारे स्वागत के लिए बाहर ही खड़े थे। दादाजी ने बड़े दादा–दादी के पाँव छूए। पिताजी–चाचा, माँ–चाची ने भी उनको पाँव छूकर प्रणाम किया। बच्चों ने सभी बड़ों को प्रणाम किया

बड़ी दादी की आँखों में खुशी के आँसू छलक आए

बताइए–

सुखदा के परिवार ने रायपुर यात्रा के लिए किन–किन साधनों का उपयोग किया?

____

____

बड़े दादाजी के घर को सुखदा ने कैसे पहचाना?

____

सुखदा के परिवार से मिलने के लिए बड़े दादाजी के घर में कौन–कौन लोग आये थे?

____

____

बड़ी दादी की आँखों में आँसू क्यों आ गए?

____

____

सुखदा ने देखा कि रायपुरवाली चाची ने सलवार फ्रॉक पहनी थी। जबकि उसकी माँ ने साड़ी पहन रखी थी।

रवि चाचा सामान को सँभालकर अन्दर रख रहे थे।

शाम तक तो बड़े दादाजी का घर मेहमानों से भर गया। बरौनीवाली बुआ, फूफाजी और उनकी बेटी गुड़िया भी आई। अरे सुखदा– तुम कब आई, चलो अब तो बड़ा मजा

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

बताइए–

सुखदा को शादी के मंडप की सजावट में अपने गाँव की तुलना में क्या-क्या अंतर दिखे?

एक-एक हलचल बढ़ गई। छेने की बाती के पीढ़े समेत उठाकर दो–चार लड़के मंडप की ओर बढ़े आ रहे थे।

सभी बड़ी सुन्दर लग रही थीं। घर की महिलाएँ विशेष ध्वनि के साथ शंख बजा रही थीं। बाद में सुखदा की माँ ने बताया कि बंगाल में शुभ कार्यों के समय उलू–उलू ध्वनि तथा शंख ध्वनि करने की प्रथा है।

"मुझे तो भूख लग रही है दीदी"- अमन ने धीरे से कहा।

सुखदा– "थोड़ी देर ठहर जाओ अमन, सब एक साथ खाएँगे।"

तभी एक महिला बच्चों को खाने की टेबल पर ले गई।

'थैंक यू आंटी' सुखदा ने विनम्रता से कहा।

गपशप, खाना–पीना और खेलकूद में आधी रात हो गई। अमन और सुखदा की आँखें नींद से भारी हो रही थीं। जल्द ही सभी बच्चे और दादी घर लौट आए और सो गए।

सुबह रवि चाचा और चाची एक सुन्दर सी गाड़ी में आए।

सुखदा के पिताजी ने बताया कि फोटोग्राफर आएगा और अपने परिवार के सभी सदस्यों का समूह फोटो लिया जाएगा।

मकान के सामने वाली खाली जगह पर पहले एक दरी बिछाई गई और फिर कुछ कुर्सियाँ लगाई गईं। फिर परिवार के सभी सदस्यों का एक समूह फोटो लिया गया।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

सुखदा सोच रही थी — अपने **गाँव की बारात में तो औरतें** नहीं जाती हैं, ऐसा क्यों? चाचा ने बताया हर जगह के प्रचलन **अलग—अलग** होते हैं

बारात कन्या—पक्ष के **यहाँ पहुँच गई**। कन्या पक्ष के लोगों ने फूलों की माला पहनाकर बारातियों का **स्वागत किया**। सभी को एक सुंदर सजावटवाले पंडाल में बैठाया। बड़े दादाजी और **दादाजी धोती**—कुरता और पगड़ी में बड़े जँच रहे थे। धोती—कुरता में सजे रवि चाचा **अपने दोस्तों** के साथ पंडाल में आए। सुखदा, गुड़िया और अमन घूम—घूम कर सजावट देखने लगे।

सुखदा ने कहा — "अरे गुड़िया! देखो यह शादी का मंडप थर्मोकोल से बना हुआ है, पर ये बड़ा ही सुन्दर है। हमारे गाँव में तो मंडप कच्चे बाँस, केले के पेड़ और रंग—बिरंगे कागजों से सजाते हैं।"

खेल–खेल में

रंग बदलती हल्दी

सामग्री

1. सफेद सूती कपड़ा (लॉग क्लॉथ) थोड़ा सा या सोखता कागज या फिल्टर पेपर।
2. चाय के कप (2)
3. एक छोटा चम्मच
4. थोड़ी सी रूई
5. एक बॉल पेन जिसका रिफिल व नीब का पेंच निकला हुआ हो
6. हल्दी
7. सोडा (खाने का या कपड़े धोने का)
8. एक कप पानी

विधि :

1. सफेद कपड़ा या कागज का एक आयताकार टुकड़ा (लगभग पाँच इंच × सात इंच) काट लीजिए।
2. दो चम्मच हल्दी आधा कप पानी में घोल लीजिए।
3. कपड़े या कागज पर यह घोल धीरे-धीरे पूरी सतह पर फैलाकर अच्छी तरह लगा लीजिए और कपड़े या कागज को सूखा लीजिए
4. आधा कप पानी में सोडा मिलाकर घोल तैयार कर लीजिए
5. एक खाली बॉल पेन में एक रूई के टुकड़े का गोला बनाकर चित्र अनुसार डाल दीजिए। अब इस बॉल पेन में सोडा का घोल डालिए और रूई को भिगोइए।

अब अपने हल्दी कपड़े या कागज पर इस पेन से लकीर खींचकर देखिए आपने क्या देखा, मजा आया।

© PSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

सुखदा सोच रही थी– दादाजी और बड़े दादाजी के परिवार के सभी सदस्य एक साथ ऐसे पारिवारिक आयोजनों पर ही मिल पाते होंगे। इस फोटो की एक प्रति मैं भी अपने पास रखूँगी।

रामपुर में सुखदा ने शादी में क्या–क्या देखा? अपने शब्दों में लिखिए–

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

परियोजना कार्य

आप अपने परिवार का वंश–वृक्ष चित्रों के साथ बना सकते हैं। आप उनके फोटो भी काटकर लगा सकते हैं। उनके फोटो के नीचे उनका नाम व आपके साथ उनका क्या रिश्ता है लिखिए।

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अध्याय–21

लकी जब बीमार पड़ा

लकी कई दिनों के बाद आज स्कूल आया। शिफा उसे देखकर बोली "लकी क्या बात है? तुम बहुत दुबले पतले कमजोर लग रहे हो।" लकी ने बताया कि उसे मलेरिया हो गया था।

आदिल और उसके अन्य साथियों को यह समझ में नहीं आया कि यह मलेरिया क्या होता है। सभी ने सोचा "क्यों न चलकर गुरुजी से पूछा जाए"।

शिफा ने अपने गुरुजी से पूछा "गुरु जी, मलेरिया क्या है और कैसे पता चलता है कि किसी को मलेरिया हो गया है?"

गुरुजी– "क्यों न पहले हम लोग लकी से ही पूछें कि उसे कैसा पता चला?"

लकी ने बताया–"शुरू में मुझे ठण्ड लगी और कँपकँपी आई। सिरदर्द भी हुआ। फिर तेज बुखार चढ़ा, कुछ समय बाद पसीना आया और बुखार कम हो गया।"

गुरुजी – "लकी, इस तरह के लक्षण तो कुछ अन्य बीमारियों के भी हो सकते हैं फिर तुम्हें कैसे पता चला कि तुम्हें मलेरिया ही हुआ है?"

लकी– "मेरी माँ जब मुझे डॉक्टर के पास ले गई तब डॉक्टर ने बताया कि इन लक्षणों से मलेरिया होने की आशंका लगती है। और अभी मेरे पास मलेरिया के कई मरीज भी आ रहे हैं। इसलिए खून की जाँच के बाद ही हम किसी नतीजे पर पहुँच पाएँगे।

मेरे खून की जाँच की गई। जाँच के बाद डॉक्टर ने बताया कि मुझे मलेरिया हो गया है। यह एक संक्रामक रोग है। दवा खाने पर ठीक हो जाएगा।

मैंने नियमित रूप से दवा खायी तब जा कर ठीक हुआ।

WEBCOPY BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

सोनी– "गुरुजी संक्रामक रोग क्या होता है?"

गुरुजी– "जो रोग एक रोगी व्यक्ति से किसी भी माध्यम के द्वारा स्वस्थ व्यक्ति तक पहुँचते हैं उन्हें संक्रामक रोग कहा जाता है।"

रमेश– "ये संक्रामक रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक कैसे पहुँचते हैं?"

गुरुजी– "ये रोग वायु से, किसी रोगी व्यक्ति के सम्पर्क में आने से, दूषित भोजन या जल से, कीड़े मकोड़े के काटने से या उससे हमारा भोजन या जल दूषित हो जाए तो एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हैं।"

सोनी– "गुरु जी, मलेरिया फैलता कैसे है?"

शिखा– "मैंने दीवारों पर लगे पोस्टरों में पढ़ा है कि मलेरिया से बचने के लिए हमें मच्छरों से बचना चाहिए।"

बताइए

संक्रामक रोग क्या है?

____

____

____

संक्रामक रोग एक आदमी से दूसरे आदमी तक कैसे पहुँचते हैं?

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

गुरुजी– "बिल्कुल ठीक मच्छर से बचना जरूरी है नहीं तो अन्य कई रोग भी हो सकते हैं।

जैसे कि– डेंगू, फाइलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि।

राहुल– "गुरुजी हमारे घर के सामने वाली सड़क पर कई सारे गड्ढे हैं। मैंने उनमें बहुत सारे मच्छरों को देखा है।"

बताइए–

कौन कौन सा रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को हो जाता है?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

ये रोग कैसे फैलते हैं? लिखिए

1 डायरिया ——————————————————————————

2 खाँसी ———————————————————————————

डायरिया होने पर हम कौन-सा प्राथमिक उपचार दे सकते हैं। अपने स्वास्थ्यकर्मी से पूछ कर लिखिए–

————————————————————————————————

आप अपने साथियों को स्वास्थ्य के प्रति कैसे जागरूक करेंगे? अपने विचार लिखिए

जब कोई बीमार हो तो आप उनकी क्या मदद करेंगे?

————————————————————————————————

कोई भी बीमारी से बचने के लिए क्या करना चाहिए?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

बताइए—

क्या आपने ऐसी जगहें देखी हैं जहाँ पानी ज्यादा दिन तक इकट्ठा रहता है और फिर वहाँ मच्छर हो जाते हैं ऐसी जगहों के नाम लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

ऐसी जगहों पर पानी इकट्ठा न हो उसके लिए आप क्या करेंगे?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

रवि— "इसका मतलब है मच्छरों से फैलने वाले रोग से बचने के लिए हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि पानी ज्यादा दिनों तक जमा न हो। सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग भी किया जाना चाहिए।"

शिक्षक— साथ ही मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। धुआँ करके मच्छर भगाने से तथा जहाँ पानी जमा हो वहाँ मिट्टी का तेल डालने से मच्छरों से फैलने वाले अन्य बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

नेहा— "अच्छा जिस तरह से पानी को एक जगह इकट्ठा होने से रोककर मच्छरों से बचा जा सकता है क्या अन्य रोगों से बचने के कोई उपाय हैं?

गुरुजी— "हाँ नेहा, हर रोग से बचने के लिए ताजा भोजन करना व उबला पानी पीना जरूरी है। साथ ही अपने घर एवं आस-पड़ोस की स्वच्छता का भी खास ध्यान रखना जरूरी है।

इससे डायरिया, कॉलरा हैजा, खुजली आदि संक्रामक रोगों से बचा जा सकता है।

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED